ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – उधम सिंह नगर

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे    निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्षः 27    अंकः 47    बुलेटिन अवधिः 16–20 जून, 2018    दिन– शुक्रवार|    दिनाँकः 15 जून, 2018

**मौसम पूर्वानुमानः**

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **उधम सिंह नगर एवं नैनीताल जिलों के मैदानी क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

| पूर्वानुमानित मौसम तत्व | मौसम पूर्वानुमान – उधम सिंह नगर | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | 16/06/2018 | 17/06/2018 | 18/06/2018 | 19/06/2018 | 20/06/2018 |
| वर्षा (मिमी0) | 40 | 55 | 25 | 10 | 0 |
| अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.) | 34 | 34 | 34 | 35 | 36 |
| न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.) | 23 | 23 | 24 | 24 | 25 |
| बादल आच्छादन | घने बादल | घने बादल | घने बादल | घने बादल | घने बादल |
| अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत) | 90 | 90 | 90 | 85 | 85 |
| न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत) | 50 | 50 | 50 | 40 | 40 |
| वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा) | 006 | 008 | 008 | 010 | 006 |
| वायु की दिशा | दक्षिण–पूर्व | पूर्व–दक्षिण–पूर्व | दक्षिण–पूर्व | दक्षिण–पूर्व | उत्तर–पश्चिम |

**गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर स्थित कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला** (समुद्रतल से ऊँचाई–243.8 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों ( 08–14 जून 2018 सुबह 8:30 तक) में आसमान में आंशिक से मध्यम बादल छाये रहे। अधिकतम तापमान 32.4 से 38.4 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 22.2 से 27.4 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 78 से 95 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 43 से 81 प्रतिशत एवं हवा 3.3 से 10.2 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व–दक्षिण–पूर्व व पश्चिम–उत्तर–पश्चिम दिशा से चली।

ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

# कृषि मौसम परामर्श

फसल प्रबन्धः

- धान की नर्सरी डाले।
- नर्सरी हेतु प्रमाणित बीज अथवा स्वस्थ स्वंय उत्पादित बीज उपचार के बाद प्रयोग करना चाहिए।
- बासमती तथा सुगधिंत धान की किस्मो जैसे– टाइप–3, तरावड़ी बासमती, पूसा बासमती–1, पंत सुगंध धान–17, 21, पी0 आर0 एच0 10 आदि की पौध 15 जून से 30 जून तक अवश्य डालें।
- मूगफली की उन्नतशील प्रजातियों– टा0 64, चन्द्रा, कौशल, प्रकाश, अम्बर आदि की बुवाई जून के दूसरे पखवाड़े में करे। बीज दर 60–70 कि0 ग्रा0/है0 रखें तथा 30–45 सेमी0 की दूरी पर बने लाइनो में बुवाई करे।उर्वरको में नत्रजन 20 किग्रा0 $P_2O_5$ 40 किग्रा0 और 45 किग्रा0 पोटाश/है0 तथा 200 किग्रा0 जिप्सम तथा 4 किग्रा0 बोरेक्स का प्रयोग करे।
- उर्द एवं मूंग की फसलों को पकते ही काट लें। कटाई में विलम्ब न करें अन्यथा दाने फलियों के चटकने से जमीन पर गिरते हैं। उर्द एवं मूंग की 80 प्रतिशत फलियों के पकते ही, फलियों की तोड़ाई करके, हरे पौधों को खेत में ही हरी खाद के रूप में पलट दें।
- लोबिया व फ्रासबीन मे जड़ एवं तना गलन रोग की रोकथाम हेतु कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम/ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।

**उद्यान प्रबन्धः**

- आम की शीघ्र पकने वाली किस्मो की तुड़ाई करे।
- कद्दू वर्गीय सब्जियो मे पत्तियो पर अनियमित आकार के चित्तकबरे धब्बे दिखाई देने पर मैनकोजेब 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
- प्याज मे पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु टेबुकोनाजोल या डिफिनोकोनाजोल या प्रोपीकोनाजोल का 500 मिली0 प्रति है0 की दर से किसी सर्वांगी कीटनाशी का स्टीकर के साथ मिलाकर छिड़काव करे।
- टमाटर व मिर्च की फसल मे सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधो को निकालकर नष्ट करे। तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें। पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करे।

**पशुपालन प्रबन्धः**

- नाइट्रेट विषाक्तता होने पर पशु की श्वसन एवं नाड़ी दर बढ़ जाती है एवं सांस लेने में कठिनाई, मॉसपेशियों में ऐंठन व कमजोरी आ जाती है। इससे बचाव हेतु मेथिलीन ब्लू के 1 प्रतिशत विलयन की 50–100 मि0ली0 मात्रा सीधे ही नस में देना चाहिए।
- सायनाइड ग्रस्त चारा खाए हुए पशु को पानी नही पिलाना चाहिए तथा चारागाहो में चराने ले गये पशुओ को कम बढ़ी हुई ज्वार, बाजरा, चरी की फसल न खाने दे।
- छोटे मुर्झाये हुए पीले व सुखकर ऐठे हुए पौधो को चारे के रूप में उपयोग नही करे।
- गर्मी के मौसम में पशुशाला के आसपास की नालियो में मेलाथियॉन अथवा अन्य कीटनाशक दवाइयो8 का छिड़काव समय समय पर कराते रहे।
- विदेशी गायें अधिक गर्मी सहन नही कर पाती जिससे उनके आहार ग्रहण करने की क्षमता में कमी आ जाती है। और उनका उत्पादन प्रभावित होता है। अतः विदेशी गायो का उत्पादन बनाये रखने तथा बीमारियो से बचाव हेतु गौशाला के अन्दर तापमान नियंत्रण हेतू शीतल यंत्र जैसे पंखा, कूलर अथवा आधुनिकतम शीतल यंत्र की व्यवस्था करे।
- अगर पशु लू के प्रकोप का शिकार हो जाए तो पास के पशु चिकित्सक से मिलकर उसका तुरन्त उपचार करायें।
- पशुओं को स्वच्छ, ताजा एवं ठंडा जल दिन में तीन बार (सुबह, दोपहर, शाम) पिलाना चाहिए। यदि पशु के शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी मौजूद हो तो उसकी चमड़ी के तापमान एवं मौसम के तापमान में सामंजस्य बना रहता है एवं पशु को लू भी नहीं लगती।

❖ गर्मी से बचाने हेतु पशुओं को संतुलित आहार जिसमें सभी पोषक तत्व प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, खनिज लवण तथा विटामिन्स उचित मात्रा एवं उचित अनुपात में उपस्थित हों, देवें। सूखे चारे के साथ हरा चारा एवं दाना अवश्य दें।

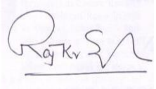

**डा0 आर0 के0 सिंह**
**प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी**
**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,**
**गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर**